प्रेस विज्ञप्ति
14/05/2026

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय ने 07/05/2026 से 13/05/2026 तक बेंगलुरु और एनसीआर क्षेत्र में स्थित मेसर्स गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों एवं प्रमुख कर्मचारियों के कार्यालय और आवासीय परिसरों में तलाशी एवं जब्ती अभियान I इन तलाशी अभियानों के परिणामस्वरूप आपत्तिजनक दस्तावेज़, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड जब्त किए गए और बैंक बैलेंस, पेमेंट गेटवे बैलेंस, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और फिक्स्ड डिपॉजिट सहित लगभग 526.49 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियां फ्रीज कर दी गईं। इसके अलावा, लगभग 2.30 किलोग्राम वजन के बुलियन/सोने/हीरे के आभूषण, जिनकी कीमत लगभग 3.50 करोड़ रुपये है, और 11 लाख रुपये नकद जब्त किए गए।

आईपीसी, 1860 के तहत धोखाधड़ी के अपराधों के लिए देश भर के कई राज्यों में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की गई थी।

मेसर्स गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी, अपने मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से विभिन्न ब्रांडों जैसे रम्मीकल्चर, रम्मीप्राइम, प्लेशिप और रम्मीटाइम के तहत रम्मी गेम और टूर्नामेंट (रियल मनी गेम - आरएमजी) आयोजित करने का व्यवसाय करती है, जिसमें 'रम्मीकॉर्नर' नाम से एक बी2बी मोबाइल एप्लिकेशन भी शामिल है।कंपनी का कुल उपयोगकर्ता आधार देशभर में लगभग 3 करोड़ है, और जांच से पता चला है कि एक बड़ा उपयोगकर्ता आधार उन राज्यों से है जहां ऑनलाइन वास्तविक धन गेमिंग प्रतिबंधित है, जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु आदि, और इन प्रतिबंधित राज्यों के उपयोगकर्ताओं को अपनी ऑनलाइन रमी गेमिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए, कंपनी ने अपने भौगोलिक स्थान में हेरफेर किया है।

इसके अलावा, इन रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) सेवाओं को प्रदान करने के लिए, कंपनी उपयोगकर्ताओं द्वारा दांव पर लगाई गई राशि पर एक निश्चित प्रतिशत कमीशन के रूप में वसूल करती है (जो 10 से 15% तक होता है, जो काफी अधिक है)। साथ ही, कंपनी ने अपने उपयोगकर्ताओं को यह आश्वासन भी दिया है कि उसका गेमिंग प्लेटफॉर्म किसी भी प्रकार के बॉट्स से मुक्त है और पारदर्शी एवं सुरक्षित है।

हालांकि, जांच से पता चला कि कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन रमी गेम की मेजबानी/संचालन में बेईमानी भरी गतिविधियों को अंजाम दिया है, जिसमें उपयोगकर्ताओं की जानकारी और सहमति के बिना उन्हें बॉट्स (स्वचालित प्रोग्राम/एल्गोरिदम) के खिलाफ खेलने के लिए मजबूर किया गया है। बॉट्स के उपयोग के कारण, भोले-भाले उपयोगकर्ताओं को भारी वित्तीय नुकसान और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा।

जांच में आगे पता चला कि उपयोगकर्ताओं को शुरुआत में छोटे-छोटे इनामों का लालच दिया गया और उन्हें जीतने के लिए प्रेरित किया गया, यहां तक कि उन्हें छोटी-मोटी जीत की रकम निकालने की अनुमति भी दी गई, जिससे उनमें झूठा विश्वास पैदा हुआ। जैसे ही उपयोगकर्ता बड़ी रकम के साथ खेलना

शुरू करते हैं, कंपनी बहुत ही व्यवस्थित और रणनीतिक तरीके से बॉट्स (बॉट्स) का इस्तेमाल करती है, जिसके परिणामस्वरूप उपयोगकर्ताओं को भारी वित्तीय नुकसान होता है। जांच के दौरान जुटाए गए सबूतों से पता चला कि असली उपयोगकर्ता बॉट यूजर आईडी के शिकार हो गए और उन्हें लगभग 1154 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ।

कंपनी को अपने फ्रंट डेस्क एप्लिकेशन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के रूप में मिले साक्ष्यों से पता चला कि गेम्सक्राफ्ट की जोड़-तोड़ वाली गेमिंग संरचना ने उपयोगकर्ताओं (विशेष रूप से गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों) को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया, और कुछ उपयोगकर्ताओं ने कथित तौर पर अत्यधिक मानसिक तनाव और आत्महत्या की प्रवृत्ति का भी अनुभव किया।

इसके अलावा, कंपनी के तीन निदेशकों, पृथ्वी राज सिंह, विकास तनेजा और दीपक सिंह अहलावत को पीएमएलए, 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

जांच में पता चला कि कंपनी और उसके निदेशकों द्वारा अपराध से प्राप्त धन को विदेशी संस्थाओं में निवेश, शेयरधारकों को लाभांश भुगतान, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड और चल/अचल संपत्तियों में निवेश के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग किया गया था।

आगे की जांच जारी है।